

867 रैंडमा विक्री 110000/- 0.100. सिमरी 856 1000Rs.



उमले
Attested
Sita Ram Mahi
29.10.07

उमले
Attested
Sita Ram Mahi
29.10.07

बैच 4400/-
460 Pao
231 A with the
permission & D.O.R
सिमा देगा विवे को से
29.10.07-08 03008
सिमा देगा 28.587

क 1 1100 = 00
क 2 45 = 00
1145/-
काम 2.00
काम 0.44
3.44
1148.44

Bas
29/10/07

लेख्यकारी:- श्री इमानुसल हुंगुंगु पिता स्वो उकरिया हुंगुंगु, जाति- खडिया, पेसा- खेतीचारी, निवास गाँव- तिमरेगा बुधराटोली, थाना- तिमरेगा, जिला- तिमरेगा ।
... .. विवेता ।
समय-पत्र संख्या:- 351/07

सही है कि इमानुसल हुंगुंगु मोन 110000/- रुपये
केर 10 डिजमीन देपली केचा ।
मोकिट मेरे सामने देवा दिया ।
के लेव हुंगु हुंगु
07. 29/10/07

पां सँजम हुंगुहुंगु पिता श्री इस्तीश हुंगुहुंगु
साकिन सिमडेगा छुटारोली
थाना + जिला सिमडेगा ।
ता. 29-10-07



-2-

§2§ लेख्यधारिणी:- श्रीमति सुमलेन केरकेट्टा पति श्री तोरेंग केरकेट्टा, जाति- खड़िया, पेशा- खेतीबारी, निवास गाँव- कोबांग, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका।

शापथ-पत्र संख्या:- 352/07

§3§ लेख्यप्रकार:- क्रिय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रात्कि सदा सर्वदा के लिए होता है।

§4§ मूल्य:- मोबलिंग एक लाख दस हजार रुपये अर्थात् 1, 10, 000/- रुपये होता है।

§5§ सम्पत्ति:- खतियानी हिस्से की बाके मौजा- सिमडेगा हुंधराटौली, थाना- सिमडेगा, थाना नं० 116, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वी जिला- सिमडेगा के खाता नं० 46 (ध्यालिस) प्लॉट नं० 2115 (रक्कीस सौ पन्द्रह) रकबा 0.44 एकड़ में से 0.10 एकड़ (दस दिसमित) आवासीय जमीन, जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- इसी प्लॉट का अंश दांड,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश दांड,

पूरब :- इसी प्लॉट का अंश रास्ता,

श्री. नि. सुमानुरल सुगुण
ब. लक्ष्मी सुगुण
ता. 29/10/07

352/07 प्लॉट नं० 46
वी. वी. लक्ष्मी सुगुण
सदर रजिस्ट्री सिमडेगा जिला
ता. 29. 10. 07



--3--

पश्चिम:- इसी प्लॉट का अंश टांड ।

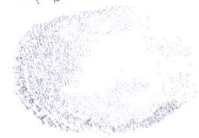
मालगुजारी 4 पैसा १ चार पैसा १ अलावे मेस मलाना ।

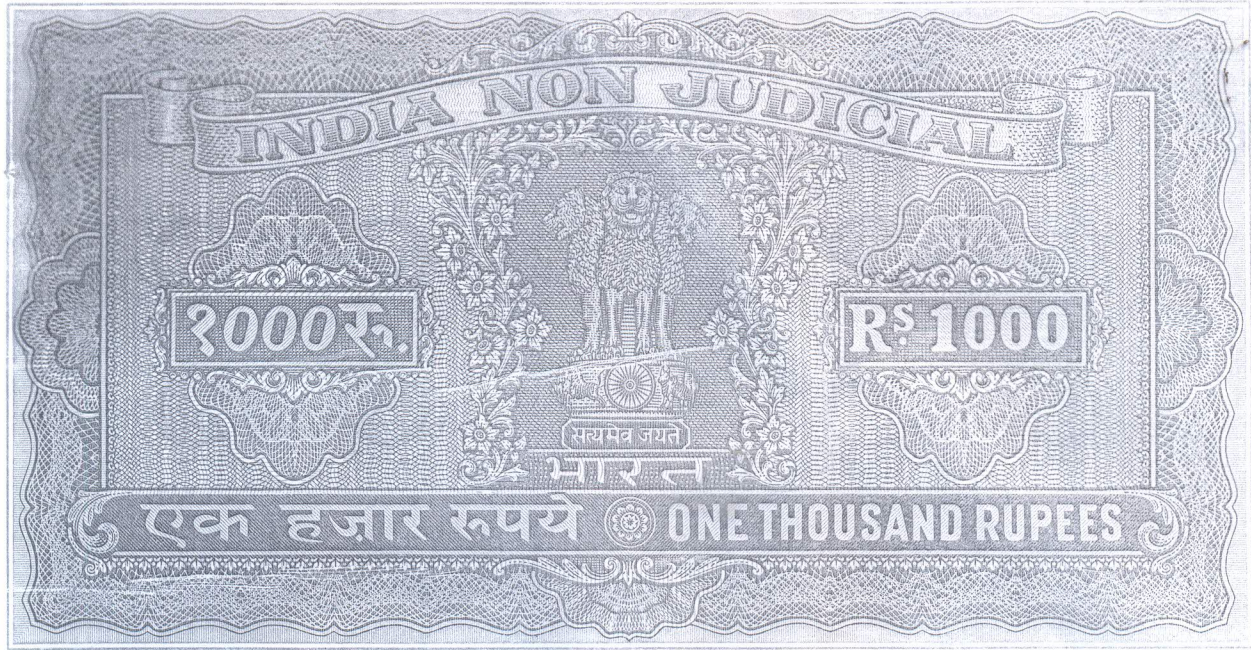
१।१ चूंकि मूझ लेख्यकारी को मकान बनाने एवं बेटी की शादी खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

१२१ इसलिये मैंने अपनी इच्छा से शरीर वी मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की और उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वी अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वी उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिये हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक शरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक शरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

१३१ मैं प्रतिना करता हूँ कि विक्रीत जमीन मेरी खतियानी जमीन है जो रिविजनल भर्ते में जोहन खड़िया वी मरकम खड़िया वी जुसाफ खड़िया के नाम से दर्ज है । जोहन खड़िया की मृत्यु नाबलद हो गई । मरकम खड़िया के दो पुत्र संतोष खड़िया वी

र. नि. गुमानुसरेलु गुण्डु
 व. लीव गुण्डु
 दि. २९/१०/०७





-4-

ननकु खड़िया हुए जिसमें संतोष खड़िया की मृत्यु नाबालक हो गई ।
ननकु खड़िया को एक पुत्र जकरियस खड़िया था जिसकी भी मृत्यु
हो गई जकरियस खड़िया के दो पुत्र इम्मानुएल हुँगुँग एवं निर्मल
हुँगुँग हैं । सभी भैयादों के बीच जमीनों का मौखिक बँटवारा
हो गया है तथा बिक्रीत जमीन मेरे हिस्से को देखल कब्जे में है
जिसपर किसी तरह का वाद या झगडा झकट नहीं है ।

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं
अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्ता
भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानाशपुर कास्तकारी
अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद
संख्या 92/2007-08 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 11. 10. 07 को
प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 804 दिनांक 11. 10. 2007 है ।

§5§ अब चाहिए कि लेखधारिणी अपनी जमीन पर काविल को
देखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझे अपने उपयोग में लावे
वो झारखण्ड सरकार वजरिमे अंवल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय
से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व उदाय
मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला पैसा कलामी मदा दिन के
लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

डि. नि. इमानुएल हुँगुँग
क. ल. व. हुँगुँग
दि. 29/10/07





--5--

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।



डॉ. नि. रामानुराज डुंगा
के लिये डुंगा डुंगा
ता. 29/10/07

डॉ. नि. रामानुराज डुंगा
के लिये डुंगा डुंगा
ता. 29/10/07

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी
रामानुराज डुंगा डुंगा के बायें हाथ के
पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष
किया गया है ।

Sela Ram Mahto
Advocate
29.10.07





--6--

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

Emlen Kerketta

29-10-2007



डॉ. वि. रामचंद्र प्रसाद
व. नं. 29/10/07



प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी धरमिण समवेत के रेकहा के कार्य हाथ के पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समत लिखा गया है।

Sita Ram Mahto
Advocate
29.10.07



-8-

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के मूल प्रति द्वितीयक प्रति के साथ हूबहू एवं सच्ची प्रतिलिपि है।

सही/-



डॉ. वि. रामानुजल्लु

ब. लोका

नं. 29/10/07

डॉ. वि. रामानुजल्लु
ब. लोका
नं. 29/10/07





--7--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

सही/- *Seta Ram Mahto*
Advocate
29.10.07
प्रारूपकर्ता
तारीख:-

ब. सि. इमानुसल इण्डिया
वे. एच. इण्डिया
दि. 29/10/07

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल आठ पृष्ठों में कुल 612 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है।

टंकक
मो० मकसुद
29.10.2007
मो० मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा।

(Large handwritten scribbles)

(Large handwritten scribble)